वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युविनर्सिटी, सुरत

तृतीय वर्ष बी. ए.

(जून २००९ – २०१०, २०१०– २०११, २०११–२०१२ कै शैक्षाणिक वर्षों के लिए)

१. अनिवार्य हिंदी

अ. कहानी – कुंज सम्पादक मार्कण्दय

लाकभारती प्रकाशन इलाहाबाद २११००१

आ. कबिरा खडा बजार में – भीष्म साहनी

प्रकाशक - राजकमल प्रकाश प्रा.लि. नई दिल्ली

इ. व्याकरण

१. हिंदी शब्द - भंडार - तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशज ।

२. अकर्मक, सकर्मक, संयुक्त तथा प्रेरणार्थक क्रिया है ।

३. काल - भेद और प्रयोग ।

४. वाक्य - विचार वाक्य - भेद, वाक्य- गठन, तथा वाक्य परिवर्तन ।

ई. भूल–सुधार

उ. निबंध

अंक - विभाजन - पाठ्य - पुस्तके ४० अंक

व्याकरण	१० अंक
भूल - सुधार	०५ अंक
निबंध	१५ अंक

संदर्भ – पुस्तकें ::

१. हिंदी कहानीः अंतरंग पहचान - डॉ. रामदरश मिश्र

२. कथान्दोलन - रेखा सेठी

३. कहानीःस्वरुप और संवेदना - राजेन्द्रयादव

४. हिंदी नाटक - कोश - डॉ. दशरथ ओझा

५. हिंदी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु

६. प्रेमचंद - संपा, डॉ.सत्येंद्र

७. प्रेमचंद - डॉ. रामविलास शर्मा

८. प्रेमचंद - एक अध्ययन - डॉ. राजेश्वरप्रसाद गुरु

९. हिंदी नाटकः आज - कल - डॉ. जयदेव तनेजा

१०. हिंदी नाटकः आज तक - डॉ. वीणा गौतम

११. हिंदी नाटक - बच्चन सिंह

(जून २००९ – २०१०, २०१०– २०११, २०११–२०१२ कै शैक्षाणिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र – १ प्राचीन एवम् मध्यकालीन हिंदी काव्य

अ. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य - संपादक - डॉ. पूरनचन्द टण्डन
राजपाल एन्ड सन्स कश्मीरीगेट, नई - दील्लि ११०००६.

ब. जायसी - गंथावली - संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
प्रकाशक - नागरी प्रचारिणी सभा. वारणसी

निम्नलिखित कवियों की कवितओं का अध्ययन

१. कबीर
२. जायसी ग्रंथावलीसे नागमती विरह वर्णन ।
३. सूरदास
४. तुलसीदास
५. मीराबाई
६. विहारी

अंक – विभाजन ::

३ आलोचनात्मक प्रश्न (४२ अंक)
१ प्रश्न टिप्पणियों का (१४ अंक)
१ ससंदर्भ व्याख्यात्मक (१४ अंक)

संदर्भ – पुस्तकें ::

१. हिंदी रीति साहित्य - भागीरथ मिश्र
२. कबीर - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
३. सूर - साहित्य - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
४. महाकवि सूरदास - नंदक्दुलारे वाजपेयी
५. भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र - प्रेमशंकर
६. सूरदास - हरवंसलाल शर्मा
७. कबीर - विजयेन्द्र स्नातक
८. भक्ति और रीतिकालीन हिंदी मुत्तक काव्य - जितेन्द्र पाठक
९. रीतिकालीन साहित्य कोश - विजयपाल सिंह
१०. भारतीय प्रेमाख्यान काव्य - डॉ. हरिकांत श्रीवास्तव
११. मीराबाई की पदावली - परशुराम चतुर्वेदी
१२. मीरां की भक्ति और उनकी काव्य - साधना का अनुशीलन - भगवानदास तिवारी
१३. जायसी का पद्मावत - डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
१४. बिहारीःएक मूल्यांकन - डॉ. हरिचरण शर्मा
१५. बिहारी रत्नाकर - जगन्नाथदास रत्नाकर

प्रश्नपत्र – २ हिंदी निबंध तथा अन्य पद्य विद्याएँ

१. श्रेष्ठ – निबन्ध सम्पादक – आलोक गुप्ता

शिक्षाभारती प्रकाशन

१. साहित्य और जीवन

२. हिंदी - भूषण

३. जमुना के तीरे - तीरे

४. उपर के तीन निबंध निकालकर अन्यसभी निबंध करना

२. गद्य - गरिमा सम्पादक डॉ. विद्यावती द्रिवेदी - अमर प्रकाशन - मथुरा

प्रेमचन्द, रधुवीर सिंह, गोविन्द वल्लभपंत - तीन साहित्य कारो को निकाल कर सभी करना ।

अंक – विभाजन

३ आलोचनात्कम पश्न (४२ अंक)

१ प्रश्न टिप्पणियों का (१४ अंक)

१ ससंदर्भ व्याखात्मक (१४ अंक)

संदर्भ – पुस्तको ::

१. हिंदी निबंध - गोविंन्दलाल छाबडा

२. हरिशंकर परसाई : व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि - राधेमोहन शर्मा

३. पंडित बालकृष्ण भट्टः व्यक्तित्व और कृतित्व मधुकर भट्ट

४. राहुल सांकृत्यायन - डॉ. प्रभाकर माचवे

५. आचार्य रामचंद्र शुक्लःनिबंध संरचना और काव्य - चिंतन - डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

६. हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य - डॉ. प्रतापपाल शर्मा

७. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन - डॉ. बाबूराम

८. हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग - चेतना - डॉ. आभा भट्ट

९. श्री रामवृक्ष बेनीपुरी - डॉ. रामविलास शर्मा

प्रश्नपत्र – ३ साहित्य के सिद्दांत और हिंदी आलोचना

अ. भारतीय साहित्य – सिद्दांत (३० अंक)

अ. काव्य - लक्षण, काव्य - हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार
आ. शब्द-शक्ति, काव्य-गुण, काव्य दोष
ई. रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, और वक्रोक्ति सिद्दांतों का सामान्य परिचय
ई. निम्नलिखित काव्यालंकार : लक्षण और उदाहरण
उपमा, उत्प्रेक्षा, रुपक, विभावना, विशेषण विपर्यय, मानवीकरण, श्लेष, यमक, अनुप्रास और वक्रोक्ति ।
उ. निम्नलिखित छंदो के लक्षण एवम् उदाहरण
दोहा, रोला, सवैया, छप्पय, धनाक्षरी, इंद्रवज्रा, मंदाक्रांता, वसंततलिका, शिखरिणी और शार्दूलविक्रीडित ।

व. पाश्यात्य साहित्य – सिद्दांत (३० अंक)

अ. साहित्य : परिभाषा, साहित्य और समाज
आ. कविताः परिभाषा, कविता-तत्व, कविताः प्रकार (प्रबंध और प्रगीत)
इ. समालोचना : स्वरुप, समालोचना, प्रकार, आलोचक के गुण
ई. निम्नलिखित विधाओं की परिभाषा, तत्व और प्रकार
१. उपन्यास २. कहानी ३. नाटक ४. निबंध ।

क. प्रमुख हिंदी आलोचकः परिचयात्म अध्ययन एवम् योगदान (१० अंक)

१. आचार्य रामचंद्र शुक्ल २. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ३. डॉ नंददुलारे वाजपेयी
४. डॉ. रामविलास शर्मा ।

अंक विभाजन :

२ आलोचनात्म प्रश्न - खण्ड - अ से (२८ अंक)
२ आलोचनात्मक प्रश्न - खण्ड - ब से (२८ अंक)
१ प्रश्न टिप्पणियों का (१४ अंक)

संदर्भ – पुस्तकें ::

१. पाश्यात्य साहित्य-चिंतन सं. निर्मला जैन
२. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी - निर्मला जैन
३. रस - चिंतन के विविध आयाम - सं. आनंदप्रकाश, दीक्षित
४. भारतीय तथा पाश्यात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना - डॉ. रामचंद्र तिवारी
५. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
६. रस - सिद्दांत - डॉ. नगेन्द्र
७. पाश्यात्य काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
८. साहित्य के प्रमुख पक्ष - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
९. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य - सिद्दांत - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
१०. मार्क्सवादी समाजशास्त्रीय और एतिहासिक आलोचना - डॉ. शशिभूषण पांडेय
११. शास्त्रवादी और स्वच्छंदतावादी साहित्यादर्श और समीक्षा-प्रणाली - पी. वासवदत्ता
१२. हिंदी छआलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल
१३. भारतीय एवम् पाश्यात्य काव्यशास्त्र - डॉ. विजयपाल सिंह
१४. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. अशोकशाह
१५. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. अशोकशाह

प्रश्नपत्र – ४ प्रादेशिक भाषा – साहित्य

१. गुजराती साहित्य का इतिहास - आधुनिक काल (नवजागरण - पंडित, गांधी तथा अनुगांधी युग का सामान्य परिचय)

२. गुजराती रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि रचनाएँ

१. अमृता - रघुवीर चौधरी, ज्ञानपीठ प्रकाशन - दिल्ली

२. कुंवर बाईनुं मामेरुं - प्रेमानंद
संपादक : लाभशंकर ठाकर एवम् प्रसाद ब्रह्मभट्ट
प्रकाशक : प्राश्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद

३. नरसिंह महेता - सामान्य परिचय

४. नर्मद सामान्य परिचय

अंक – विभाजन –

१. आलोचनात्मक प्रश्न खण्ड १ से (१४ अंक)

२. आलोचनात्मक प्रश्न खण्ड २ से (२८ अंक)

२. प्रश्र टिप्पणियों का (२८ अंक)

संदर्भ – पुस्तकें –

१. प्राचीन गुजराती साहित्यनो इतिहास - १ (साहित्य परिषद प्रकाशन)

२. मध्यकालीन गुजराती साहित्यनो इतिहास - २ (साहित्य परिषद प्रकाशन)

३. अर्वाचीन गुजराती साहित्यनो इतिहास - ३ - ४ (साहित्य परिषद प्रकाशन)

४. अर्वाचीन गुजराती साहित्यनी विकास रेखा - १ -२ - डॉ. धीरुभाई ठाकर

५. गुजराती नवलकथा - रधुवीर चौधरी - राधेश्याम शर्मा

६. गुजराती नवलथामां पात्रनिरुपण : २ - डॉ. रमेश दवे

७. प्रेमानंद : एक समालोचना - रमेश शुक्ल

८. मुशीनां पात्रो - प्रासन्नेय, ग्रंथ - ओकटोबर - ७१

९. गुजराती साहित्यनो इतिहास - रमेश त्रिवेदी

१०. अर्वाचीन गुजराती साहित्यनो इतिहास - रमेश त्रिवेदी

प्रश्नपत्र – ५ हिंदी व्याकरण, हिंदी भाषा तथा राजभाषा – प्रशिक्षण

अ. हिंदी व्याकरण (२८ अंक)

१. शब्दो का वर्गीकरण

२. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के भेद

३. वचन एवम् कारक का परिचय ।

ब – हिंदी – भाषा **(२८ अंक)**

१. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय

२. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास

३. हिंदी की उपभाषाएँ एवम् बोलियाँ ।

क. राजभाषा – प्रशिक्षण **(१० अंक)**

१. प्रशासन - व्यवस्था और भाषा

२. भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता

३. राजभाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति

४. राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधान -

अ. राजभाषा - प्रावधान (उनुच्छेद ३४३ से ३५१)

आ. राष्ट्रपति के आदेश (१९५२, १९५५, १९६०)

इ. राजभाषा अधिनियम १९६३ (यथा संशोधित १९६७)

ई. राजभाषा संकल्प (१९६८) यथानुमोदित (१९९१)

उ. राजभाषा नियम १९७६

५. हिंदी कम्प्यूटीकरण

६. भूमंडलीकरण के परिपेक्ष्य में हिंदी का भविष्य ।

अंक – विभाजन :

२. आलोचनात्कम प्रश्न खण्ड - अ से	(२८अंक)
१ आलोचनातमक प्रश्न खण्ड - ब से	(१४ अंक)
१ टिप्पणियों का प्रश्न खण्ड - अ और ब से	(१४ अंक)
१ टिप्पळियों का प्रश्न खण्ड - क से	(१४ अंक)

संदर्भ – पुस्तकें :

१. हिंदी व्याकरण-पं. कामताप्रसाद गुरु

२. हिंदी व्याकरण मीमांसा-काशीराम शर्मा

३. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ. भोलानाथ तिवारी

४. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास - उदयनाराण तिवारी

५. राजभाषा हिंदीःप्रगति और प्रयाण-सं. इकबाल अहमद

६. मानक हिंदी व्याकरण - पृथ्वीनाथ पांडेय

७. प्रयोजनपरक हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित - योगेन्द्र प्रातप सिंह

८. राजभाषा हिंदी - कौलाशचंद्र भाटिया

९. राजभाषा का स्वरुप - कैलाशचंद्र भाटिया

१०. सरल भाषा विज्ञान - डॉ. अशोक शाह

११. हिन्दी भाषा और भाषाविज्ञान - डॉ. अशोक शाह

प्रश्नपत्र – ६ प्रयोजनमूलक हिंदी

खण्ड - क प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा और उसका प्रयोग (३५ अंक)

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति
२. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्तियां और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र
३. प्रयोजनमूलक हिंदी और पारिभाषिक शब्दावली
४. प्रशासनिक हिंदी और उसकी शब्दावली
५. प्रशासनिक पत्राचार और उसके प्रकार
६. (अ) प्रशासनिक पदनाम : Accountant, Advicor, Administrator, Announcer, Calculator, :Chancelor, Clerk, Colllector, Copyist, Editor, Enquiry Clerk, Gate Keeper, Guide, Hostess, In Charge, Inspector, Instructor, Justice, Medical Officer, Peon Registrar, Surveyor, Translator, Typist, Worker

(ब) अनुभागों के नामकरण : Department Agriculture, Department Cooperation, Department Community Development, Department Communications, De partment Comapny Law & Insurance, Department Cottage Industries, Department Economic Affairs, Department Family Planning, Department Food, Department iron & Steel, Department Labour and Employment, Department Light House, Department Legal Affairs, Department Meteo rological, Department Port, Department Post & Telegraphs, Department Parliamentary Affairs, Department Printing & Stationery, Department Pe troleum Department Revenue, Department Sales Tax, Department Sta tistics, Department Social Welfare, Department Tourism, epartment Trans port & Shipping.

६. संक्षेपण और टिप्पण. ।

खण्ड – ख हिंदी का वैज्ञानिक एवम् तकनीकी रुप (२१ अंक)

७. वैज्ञानिक, तकनीकी एवम् प्रोद्यागिक क्षेत्रों में हिंदी
८. हिंदी अनुप्रयोग में अनुवाद की भूमिका - अनुवाद की अवधारणा, उसका महत्व और विभित्र सिद्वांत ।

खण्ड – ग हिंदी में भीडिया लेखन (१४ अंक)

९. जलसंचार - माध्यमः ठअभिप्रया, स्वरुप और विस्तार
१०. जनसंचार - माध्यमों के प्रकार
११. समाचार - लेखन और हिंदी
\+ ४. संवाद - लेखन और हिंदी
१२. रेडियो - लेखन और हिंदी
१३. विज्ञापन - लेखन ।

अंक – विभाजन ::

प्रत्येक विभाग मे से एक - एक आलोचनात्म प्रश्न (४२ अंक)
और एक प्रश्न टिप्पणी का (२८ अंक)

संदर्भ – पुस्तकें :

१. प्रयोजनमूलक हिंदीः संरचना एवम् अनुप्रयोग - दिनेश गुप्त

२. प्रयोजनमूलक हिंदी - दिनेश गुप्त

३. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी - दिनेश गुप्त

४. व्यावसायिक संप्रषण - डॉ. अनूपचंद्र बायाळी

५. प्रयोजनमूलक हिंदी : पारिभाषिक शब्दावली तथा टिप्पण प्रारुपण - डॉ. मधु धवन

६. प्रामळिक आलेखन और टिप्पण - प्रो. विराज

७. शुद्ध हिंदी - डॉ. विजयपाल सिंह

८. प्रशासनिक एवम् कार्यालयी हिंदी - डॉ. रामप्रकाश एवम् डॉ. दिनेशकुमार

९. कार्यालयी हिंदी - डॉ. विजयपाल

१०. अनुवाद - बोध - डॉ. गार्गी गुप्त

११. अनुवाद -विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

१२. जनसंचार : विविध आयाम - ब्रजमोहन गुप्त

१३. मीडिया और साहित्य - सुधीश पचौरी

१४. व्यावहारिक अनुवाद - डॉ. एन. ई. विश्वनाथ एयर

१५. प्रयोजनपरक हिंदी - प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित एवम् डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

१६. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम - माया सिंह

१७. प्रयोजन मूलक हिंदी का अध्ययन - डॉ. सुशीला गुप्ता

१८. राजभाषा हिंदी और राजकीय पत्र-व्यवहार - धनश्या अग्रवाल

१९. प्रयोजन मूलक हिन्दी - डॉ. भरतभाई देसाई

.....